निपुण लक्ष्य - आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता

शिक्षा मंत्रालय ने समझ और अंकगणित के साथ पढ़ने में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल निपुण भारत की शुरुआत की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का प्रत्येक बच्चा **2026-27** तक ग्रेड **3** के अंत तक आवश्यक रूप से बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) प्राप्त कर ले।

प्राथमिक वर्ग अच्छी आदत बनाने और उचित मूल्यों को विकसित करने की नर्सरी है । विद्यालय का सतत प्रयास रहता है कि विविध प्रकार की पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या क्रियाकलापों के माध्यम से स्कूली शिक्षा सहित जीवन के क्षेत्र में भी छात्र अच्छे से विकसित हो सकें।

निपुण भारत लक्ष्य को पूरा करने में विभिन्न पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की मदद से बच्चों के समग्र विकास पर जोर दिया गया। बच्चों ने भी अपनी रुचि के अनुसार सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

बच्चे शैक्षिक व पाठ्य सहगामी गतिविधियों को अपने आसपास के वातावरण से परस्पर संबंध स्थापित करने में सक्षम सिद्ध हुए। देश के भविष्य कहे जाने वाले नौनिहालों को दी जाने वाली शिक्षा को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए सरकार ने देश में नयी शिक्षा नीति की शुरुआत की है। निपुण भारत योजना के तहत सभी बच्चे जो शिक्षा प्राप्त करने की शुरुआत कर रहे हैं, उन्हें शुरू से ही गुणवत्ता पूर्ण बुनियादी शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा जिससे वो आगे चलकर और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। और साथ ही शिक्षा का पूर्ण सदुपयोग कर सकें। विद्यालय द्वारा भाषा और साक्षरता विकास को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण कदम उठाए गए–

समझबूझ कर पढ़ना

लेखन

ध्वनि के माध्यम से जागरूकता

पढ़ने का प्रभाव

मौखिक भाषा का विकास

शब्दावली

एक प्रिंट समृद्धि वातावरण बनाना

कहानियां एवं कविताएं सुनना, बताना और लिखना

बाल गीत और कविताएँ

अनुभव साझा करना

नाटक और रोल प्ले

चित्र को देखकर समझना और लिखना

अनुभव आधारित लेखन

ऊंचे स्वर में पढ़ना

मात्राओं की समझ- बारह खड़ी एवं मात्राओं के शब्दों का अभ्यास करवाना

इसी क्रम में मूलभूत संख्यात्मक और गणित कौशल के विकास के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

विद्यार्थी 9999 तक की सभी संख्याएं स्थानीय मान के साथ पढ़ और लिख सकें इसके लिए भरसक प्रयास किए गए।

प्रत्येक विद्यार्थी कम से कम 60 शब्द प्रति मिनट अर्थ सहित पढ़ें सके इसके लिए अध्यापक कार्यरत हैं।

जोड़ व घटा से संबंधित दैनिक जीवन की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास।

कम या ज्यादा एवं छोटा या बड़ा आदि की समझ विकसित करना

संख्याओं की तुलना करना

दैनिक जीवन में तार्किक सोच और तर्क को विकसित करना।

विद्यार्थियों द्वारा संख्याओं और स्थानीय समझ का दैनिक जीवन में उपयोग करना

जानकारी एकत्र कर डाटा संधारण

आकार एवं स्थानिक समझ का विकास ठोस वस्तुओं और उदाहरणों का उपयोग करके स्पष्ट करना

संख्या और संख्या संचालन की समझ को दैनिक जीवन के उदाहरणों और अभ्यास प्रश्नों के साथ अभ्यास और संख्याओं पर संक्रिया जैसे +, −, ÷, × करना

स्केल, इंच टेप, मापने वाले जार, तराजू का उपयोग करके माप तोल करना

पैटर्न समझना और बनाना

नंबर अवधारणाएं उनका स्थान मूल्य और अंकित मूल्य फ्लैश काड्र्स, चाट्र्स और मॉडल की मदद से समझना एवं नंबर बताना

बोलचाल की भाषा में गणित की शब्दावली का उपयोग कर गणितीय संचार का विकास करना

80% विद्यार्थियों ने एफएलएन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास जारी है।

Stigma
Style
Stamen
Pollen
Grains
Ovary
Sepal
Petals

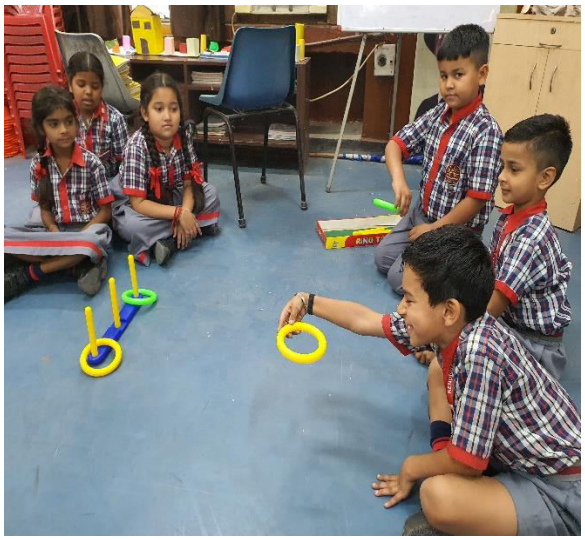

Place value
PLACE VALUE
PLACE VALUE TUT

18/4/23 C.W. Mask making _ Where to Look from
Concept of Similar Halves

LN
Read and write upto 9999
Write
2008
1089
6200
7011
9999

टिपटिपवा
नाटकीकरण
अभिनय करना
T: 41
P: 37
A: 04
Jump Into Math

दिनांक
11/10/2023
हिन्दी
कविता - कौन ?
WELCOME
सोहन लाल द्विवेदी
(कवि के लेखक)
सोहन लाल द्विवेदी
कविता के कवि